संसारी लडका लडकी और मीरा-कृष्ण के प्रेम में कोई अंतर नहीं है। प्रेम वही है। प्रेम की वस्तु अलग है। मीरा को दिव्य प्रेम मिला, अनंत सुख से मालामाल हो गयी क्योंकि कृष्ण दिव्य व्यक्तित्व है। लेकिन संसारी लडका दिव्य न होने के कारण लडकी को नहीं दिव्य प्रभाव नही मिलता।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

ऐसे कई मामले हैं जहां लड़कियों को प्यार में धोखा दिया जाता है। लड़का या आदमी लड़कियों के लिए प्रेम जाल बिछाते हैं। वे उनके साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे कि वे किसी और से प्यार नहीं करते। उसका मकसद लड़की को धोखा देना, लडकी के उसके परिवार के साथ संबंधों को तोड़ना है और फिर उसे वेश्यालय बेचा जा सकता है या उसका धर्मांतर किया जा सकता है या कष्टमय जीवन जीने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

लडकी, अनजाने उद्देश्य से अनभिज्ञ, प्रेम विकसित करती है और बाद में पूरी जिंदगी रोती है। वही प्रेम जिसने मीरा को सभी कष्टों से उबारा, वही प्रेम किसी दूसरे लड़की को एक पीड़ायुक्त के नरक में ले गया। क्यों? प्यार जिससे किया गया वो व्यक्ति गलत निकला।

प्यार के तरीके में कोई भी अंतर नही है। प्यार में प्रेमिका को अपने प्रियतम को देखने की इच्छा होती है, प्रिय से सुनने की, प्रिय के साथ रोमांस करने की और इसी तरह मिलन की इच्छा होती है। यदि प्रियतम कृष्ण हैं, तो यह भक्ति है। परिणाम है नित्य जीवन, अनंत सुख, शाश्वत आनंद। यदि प्रिय नश्वर व्यक्ति है तो परिणाम है नश्वर सुख। उसके साथ आयेंगेअनेक प्रकार के शारीरिक तथा

मानसिक दुःख और एक दिन मृत्यु और उसके बाद चौरासी लाख का चक्कर।

प्यार दिल का विषय जरूर है लेकिन बिना सोचे समझे करने पर लेने के देने पडते है। सर्वसमर्थ श्रीकृष्ण को अपना प्रियतम चुनिए और हमेशा खुश रहिये।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132